

संख्या का भाग करना 4. विवाह के समय कन्या को दिया जाने वाला दहेज 5. यज्ञोपवीत के समय बालक को दी जाने वाली भिक्षा।

**हरणि स्त्री.** (तत्.) मृत्यु।

**हरणीय वि.** (तत्.) हरण करने योग्य, ले लेने, छीन लेने योग्य।

**हरता पुं.** (देश.) हरण करने वाला।

**हरताल पुं.** (तद्.) पीले रंग का एक चमकीला औषधीय खनिज पदार्थ जो रंगाई आदि में काम आता है।

**हरताली वि.** (तद्.) हरताल के रंग का, पीला पुं. गंधक-जैसा पीला रंग।

**हरतिलक पुं.** (तत्.) चंद्रमा।

**हरतेजस पुं.** (तत्.) पारा, पारद।

**हरद स्त्री.** (देश.) हल्दी।

**हरदम वि.** (फा.) हर समय, प्रतिक्षण, निरंतर, लगातार, हमेशा, नित्य।

**हरदा पुं.** (तद्.) फसल का एक रोग, पीली या गेरु रंग की बुकनी की तरह के कीटाणुओं का समूह, गेरुई।

**हरदिया वि.** (देश.) हल्दी के रंग का, पीला पुं. पीले रंग का घोड़ा, उक्त प्रकार का रंग।

**हरदिया देव पुं.** (तत्.) ओरछा के राजा जुझार सिंह (सन् 1626-36 ई.) जो बहुत भ्रातृशील, सत्यशील, वीर और मातृभक्त थे, इन्हें 'हरदिया देव' भी कहते हैं।

**हरदी स्त्री.** (देश.) हल्दी, हरिद्रा।

**हरदू पुं.** (देश.) एक प्रकार का बड़ा पेड़ जिसकी लकड़ी बहुत मजबूत और पीले रंग की होती है, इस लकड़ी से बंदूक के कुंदे, कंधियाँ और नावें बनती हैं।

**हरदौल पुं.** (देश.) ओरछा के राजा जुझार सिंह के छोटे भाई टि. राजा जुझार सिंह ने अपनी पत्नी के साथ अनुचित संबंध होने के संदेह में उसकी सतीत्व परीक्षा के लिए उसी के हाथ से इन्हें विष खिलवाकर इनका अंत करा दिया।

**हरद्वान पुं.** (देश.) एक प्राचीन स्थान, जहाँ की तलवार प्रसिद्ध थी।

**हरद्वानी वि.** (देश.) हरद्वान का बना हुआ, हरद्वान में होने वाला।

**हरद्वार पुं.** (तद्.) हरिद्वार, हरि का द्वार, उत्तराखंड में गंगा तट पर स्थित प्रसिद्ध तीर्थ, जहाँ प्रत्येक 12 वर्ष के उपरांत कुंभ लगता है।

**हरन पुं.** (तद्.) अपहरण जैसे- सीता हरन।

**हरनर्तन पुं.** (तत्.) 1. शिव का नृत्य 2. एक समवर्णिक छंद, जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः रगण, सगण, 2 जगण, भगण और रगण (र स ज ज भ र) के योग से 18 वर्ण होते हैं तथा 8-5-5 पर यति होती है।

**हरनहार वि.** (देश.) हर्ता, हरण करने वाला, कष्ट दूर करने वाला, संहारकर, निवारणकर्ता।

**हरना पुं.** (देश.) हरण करने वाला।

**हरना स.क्रि.** (तद्.) हरण करना, किसी की वस्तु को बलपूर्वक छीनना, लूटना, उठा ले जाना, अपहरण करना, संहार करना **अ.क्रि.** हार जाना, परास्त होना, शिथिल पड़ जाना पुं. मृग, हिरन।

**हरनि वि.** (देश.) हरण करने वाली, हरने वाली।

**हरनी वि.** (देश.) हरने वाली, बलात् लूटने वाली, अपहरण करने वाली, संहारिका, नाशिनी, नीचा दिखाने वाली, असक्त करने वाली स्त्री. हरिणी, हिरन की मादा।

**हरनेत्र पुं.** (तत्.) शिव का नेत्र (पद्य में) तीन की संख्या।

**हरनौटा पुं.** (देश.) हिरण का बच्चा, छोटा हिरण।

**हरपा पुं.** (देश.) वह छोटा डब्बा जिसमें सुनार तराजू आदि रखते हैं, सिंधोरा।

**हरपुजी स्त्री.** (देश.) कार्तिक माह में किसानों के द्वारा की जाने वाली कृष्ण की पूजा।

**हरपुर पुं.** (तत्.) महादेव का नगर, काशी, वाराणसी।

**हरपूजा स्त्री.** (तत्.) महादेव की पूजा (देश.) कृष्ण की पूजा।